हो। तो स्टेट गवर्नमेंट ने भी उसे मंजूर कर लिया है। लेकिन काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। मेरा निवेदन है कि काम वहां पर अब चालू किया जाय।

16.20 hrs.

RE. ALLEGED PREVENTION OF VISITORS FROM MEETING MEMBERS OF PARLIAMENT

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) : सभापति महोदय, मैं नियम 340 के अन्तर्गत एक महत्वपूर्ण मामला इस समय उठाना चाहता हूं और मांग करता हूं कि ये चर्चा थोड़ी देर के लिये स्थगित कर दी जाये....

MR. CHAIRMAN : I have received your notice. It does not come under rule 340 because under rule 340 there can be an adjournment if the discussion going on is on a motion. The discussion now is not on a motion but on a Budget which is dealt with under a separate provision. Therefore, it does not come strictly under rule 340 under which there is no provision for adjourning the discussion except when the discussion is on a motion. Therefore, I do not feel that your notice is strictly in order. But the matter you have raised is undoubtedly of a serious nature. Therefore, you should refer to the Speaker. The Speaker is going to make an inquiry. After the inquiry, we will know the position and let you know about it.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मगर आप मुझे बताने तो दीजिये। स्पीकर साहब किस बात की इन्क्वायरी करेंगे।

MR. CHAIRMAN : Since you have given notice, I can permit you a few minutes, but there will be no adjournment of the discussion.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : वह तो आप के अधिकार में है।

MR. CHAIRMAN : As the matter is serious, I am permitting you a couple of minutes.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, अभी गुजरात के कुछ विद्यार्थी पार्लियामेंट के मेम्बरों से मिलने के लिये आये थे और उन्होंने मेम्बरों के नाम चिट भेजी, लेकिन वे चिटें मेम्बरों तक नहीं पहुंचने दी गईं, सिक्योरिटी स्टाफ ने वे चिटें वहीं रोक लीं। इतना ही नहीं, मैं सदन में मौजूद था, लेकिन मेरे बारे में उन विद्यार्थियों से कह दिया गया कि मैं सदन में नहीं हूं। नतीजा यह हुआ कि वहां तनाव पैदा हो गया, विद्यार्थियों और सिक्योरिटी स्टाफ में गड़बड़ हुई, पुलिस बुलाई गई, मैजिस्ट्रेट बुलाये गये और जो विजिटर्स वहां आये थे, उन सब को रिसेप्शन आफिस खाली करने के लिये कह दिया गया।

मैं समझता हूं कि पार्लियामेंट के मेम्बरों को किसी भी विजिटर से मिलने की छूट है, पार्लियामेंट के मेम्बर चाहें तो किसी विजिटर से मिलें या न मिलें, लेकिन सिक्योरिटी स्टाफ को यह अधिकार नहीं दिया जा सकता कि वह कहे कि मेम्बर नहीं है, जब कि मेम्बर सदन में मौजूद है। गुजरात के विद्यार्थी मेम्बरों से मिलने आये थे। वे गैलरी में आ कर गड़बड़ करें—ऐसा हममें से कोई भी नहीं चाहेगा। लेकिन सिक्योरिटी स्टाफ—माफ कीजिये मुझे कहते हुये दुख हो रहा है—अपनी सीमा को पार कर गया। पार्लियामेंट के मेम्बरों और विजिटर्स के बीच में किसी को आने नहीं दिया जा सकता। यह तो एक कर्टसी का काम था कि अगर कोई मेम्बरों के मिलने के लिये चिट भेजता है तो वह चिट मेम्बरों तक पहुंचा दी जाये, लेकिन आज तो तमाम चिटें रोक ली गईं। विद्यार्थियों से कह दिया गया कि मेम्बर हाउस में नहीं है, इस से परिस्थिति बिगड़ी।

मैंने प्रिवलेज का नोटिस दिया हुआ है और जैसा आप ने कहा है कि स्पीकर महोदय जांच करेंगे—यह पार्टी का सवाल नहीं है। आज यह मेरे साथ बीता है, कल किसी और के साथ भी बीत सकता है। हम सिक्योरिटी स्टाफ को इस तरह का आचरण करने की छूट नहीं दे सकते।

MR. CHAIRMAN : This is not a party matter. Therefore, the whole matter will be inquired into. Undoubtedly, if there

is any breach of privilege of any member, steps will be taken to maintain that privilege.

RAILWAY BUDGET, 1974-75 GENERAL DISCUSSION—*Contd.*

श्री राम जगत पासवान (रोसेरा) सभापति महोदय, मैं सर्व प्रथम रेल मंत्री महोदय को बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने समाजवादी ढांचे पर बजट का निर्माण कर रेलवे में विकास और प्रशासन में सकुशलता लाने का अथक प्रयास प्रारम्भ कर दिया है। रेलवे जो कि राष्ट्र की रीढ है, हमारे हर विकास का आधार स्तम्भ है और जनसेवा से निकटतम सम्बन्ध रखनेवाली सम्पत्ति है। इसी लिये हमारे मंत्री महोदय का ध्यान उन पिछडे इलाको के विकास की ओर गया जहा अभी तक विकास का कोई भी कार्य होने नही पाया था, आजादी का कोई भी लाभ उन क्षेत्रो को छू नही पाया था। मिसाल के तौर पर मकरी हसनपुर रेलवे लाइन की स्वीकृति, लोकहा झझरपुर रेलवे लाइन की स्वीकृति—ये लाइने उन क्षेत्रो से गुजरेगी जो विभिन्न दुखदाई नदियो के आंचलो मे, दलदला से फली हुई थी। जहां के नागरिकों को रेल पकडने के लिये 4 मील के बदले 40 मील की दूरी तय कर के आना पडता था। ये रेलवे लाइने कृषि, व्यापार और आवागमन की महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगी। साथ ही यह काम उस समय होने जा रहा है जिस समय उत्तर बिहार अकाल की स्थिति से गुजर रहा है, इस काम के शुरू होने से हजारो मजदूरो, नवयुवको को रोजी रोटी की सहायता मिलेगी।

मैं इस समय रसड़ा स्टेशन के बारे मे भी चर्चा करना चाहता हूं। रसड़ा अब सब-डिवीजनल हैड क्वार्टर का शहर बन गया है। पहले एक साधारण शहर था, लेकिन अब वहां पर कालिज, अस्पताल, कचहरी, आदि सब कुछ हैं, एक म्युनिसिपल टाऊन है। हम ने बार बार मंत्री महोदय से आग्रह किया है कि जो भी तेज गाड़ियां वहां से गुजरती हैं उन को इस स्टेशन पर भी रोका जाये यद्यपि गाड़ियां पहले ही बहुत कम हैं, फिर भी जो हैं, उन को इस स्टेशन पर अवश्य रोका जाना चाहिये। खास कर 'जी० एल०' के लिए तो वहां की जनता बहुत दिनो से आग्रह करती आ रही है, इस का स्टापेज वहां अवश्य होना चाहिये। मंत्री महोदय से आश्वासन भी मिल गया था, लेकिन पता नही अधिकारी लोग हेड क्वार्टर मे बैठे बैठे गलत रिपोर्ट देते हैं, जिस से जनता की मांग पूरी नही होती। इस लिये मैं आग्रह करूंगा कि रसड़ा स्टेशन पर हर तेज चलने वाली गाडी रुके।

सिमड़िया घाट गंगा के उत्तरी किनारे पर है, वहा हर समय लाखो यात्री गंगा स्नान के लिये एकत्रित होते हैं लेकिन टिकट कटाने के लिये उन का चार मील दूर जाना पडता है। वहा की जनता की मांग है कि वहा पर स्टेशन बनाया जाना चाहिये, यात्रियो के ठहराव के लिये वहा पर प्लेटफार्म होना चाहिये। वहा पर पहले पदाधिकारीगण भी भेजे गये थे, लेकिन पता नही क्यों वह कार्य अभी तक प्रारम्भ नही हुआ है—इस लिये मेरा आग्रह है कि यह कार्य जल्द से जल्द प्रारम्भ होना चाहिये।

तीसरी बात उत्तरी बिहार से बैजनाथ धाम के लिये धार्मिक दृष्टिकोण से लाखो यात्री जाते है, लेकिन दरभंगा से लेकर बैजनाथ धाम तक कोई डायरेक्ट ट्रेन नही है—मेरा आग्रह है कि वहां एक डायरेक्ट ट्रेन चलाई जाये।

समस्तीपुर से जयनगर तक ब्राड गेज लाइन बनाने के बारे मे बहुत दिनो से चर्चा है लेकिन अभी तक कुछ नही हुआ है। यह बहुत पिछडा हुआ इलाका है, इस लाइन के खुलने से जनता को बहुत सुविधा हो जायेगी। मेरा आग्रह है कि इस ब्राडगेज लाइन का निर्माण शीघ्र प्रारम्भ किया जाय।

सभापति जी, यद्यपि मंत्री महोदय का ध्यान पिछड़े और हरिजन वर्ग को उचित स्थान देने की ओर काफी गया है और वे सदैव उन को उचित स्थान दिलाने के लिये सतर्क रहते है फिर भी मैं आग्रह करूंगा कि ग्रुप 4 और ग्रुप 1 की नियुक्तियो मे बहुत धांधली हो रही है— इस